वर्ग–6 **<u>विषय–हिंदी लिटरेचर</u>** दिनांक–04 / 05 / 2020

<u>पाठ–आ रही रवि की सवारी</u>

<u>व्याख्या</u>–इस कविता में कवि प्रातः कालीन सूर्य का मनमोहक वर्णन किये है। कवि कहते हैं की सुबह के समय सूर्य की कोमल किरणें चारों ओर फैलने लगी हैं। ऐसा लगता है जैसे सूर्य इन किरणों के रथ पर सवार होकर आगे बढ़ता हुआ आ रहा है। सूर्य की सुनहरी किरणें जब कलियों और फूलों पर पड़ती हैं तो ऐसा लगता है मानों वे सूर्य के आने के लिए उसके मार्ग पर बिछ गए हों।

और जब सूर्य की किरणें बादलों पर पड़ती हैं तब ऐसा लगता है जैसे सोने की पोशाक पहन कर बहुत सारे सेवक सूर्य के रथ के साथ–साथ आगे बढ़ते आ रहे हैं।

सूर्य का प्रकाश फैलते ही पक्षी भी खुशी से चहचहाने लगती हैं सूर्योपासक सूर्य की वंदना करने लगते हैं। और रात के समय आकाश को सुशोभित करने वाले तारे लुप्त हो जाते हैं।

सूर्य का फैलता प्रकाश रात के अंधकार पर विजय जैसा है। इसलिए कवि प्रकाश की इस विजय पर खुशियाँ मनाना चाहता है। पर वह एकाएक (अचानक) रूक जाता है। उसे रात का राजा चंद्रमा का ध्यान आता है अब अंधकार शुरू हो चुका है कवि को अंधकार की इस दयनीय हालत पर तरस आता है। उसे लगता है जैसे बेचारा अंधकार सूर्य से अपना अस्तित्व न मिटाने की भीख माँग रहा हो।

5. कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

<u>उत्तर</u>–इस कविता में कवि सुबह के समय जब सूर्य का उदय होता है और उस समय प्रकृति में होने वाले बदलाव के बारे में वर्णन किये है।

<u>गृह कार्य</u>

1. पाठय पुस्तक में दिए गए मौखिक तथा लिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखे और याद करे।

2. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

1.प्रातः काल सूर्योदय के समय क्या–क्या बदलाव आते हैं?
2.सूर्य के अनुचर कौन हैं?
3.कीर्ति–गायन कौन गा रहे हैं?
4.कवि ठिठक क्यों गया?
5.कवि ने चाँद को भिखारी क्यों कहा है?

3. पाठय पुस्तक में व्याकरण से दिए गए सभी प्रश्नों को उत्तर अपनी पुस्तक में लिखें।

वर्ग–6 **<u>हिन्दी व्याकरण</u>** दिनांक–04 / 05 / 2020

<u>पाठ–शब्द विचार</u>

शब्द किसी कहते हैं?

वर्णो के सार्थक एवं व्यवस्थित समहू को शब्द कहते हैं।(साधरण शब्दों में–वर्णो का व्यवस्थित समूह जो एक निश्चित अर्थ देता है उसे शब्द कहते हैं।)

जैसे–त्+इ+त्+अ+ल्+ई–तितली, क्+इ+स्+आ+न्+अ–किसान

<u>शब्दों के भेद</u>

शब्दों को चार भागों में बाँटा गया है–

1. **उत्पति या स्रोत के आधार पर**– उत्पति या स्रोत के आधार पर शब्द को चार भागों में बाँटा गया है–

क. तत्सम शब्द– तत्सम शब्द दो शब्दों के मेल से बना है–तत्+सम। तत् का अर्थ है–उसके और सम का अर्थ है– समान।

संस्कृत भाषा के मूल शब्द जो हिंदी में ज्यों के त्यों(उसी रुप में) प्रयुक्त किए जाते है उसे तत्सम शब्द कहते है। जैसे–सर्प, दिवस, कवि, गरु, लता, आदि।

ख. तद्भव शब्द– तद्भव का अर्थ है–उससे उत्पन्न अर्थात् संस्कृत भाषा से उत्पन्न।

संस्कृत के वे शब्द जिनका हिंदी भाषा में प्रयोग करते समय उसके रुप में थोड़ा परिवर्तन हो जाता है, उसे तद्भव कहते है

जैसे–

तत्सम		तद्भव
अश्रु	–	आँसू
दिवस	–	दिन
दंत	–	दाँत
रत्न	–	रतन
चंद्र	–	चाँद

ग. देशज शब्द–देशज का अर्थ है देश+ज का अर्थात देश में जन्मा। जो शब्द अपने ही देश की भिन्न–भिन्न क्षेत्रीय बोलियो से हिंदी भाषा में आते हैं, उन्हे देशज शब्द कहा जाता है। जैसे – कपास, चूड़ी, खाट, आदि।

घ. विदेशी शब्द– ये वे शब्द हैं जो विदेशी संपर्क के कारण अनेक विदेशी शब्द हिंदी में आ गए है। वे शब्द जो विदेशी भाषाओं जैसे अंग्रेजी, अरबी,फारसी, चीनी आदि से हिंदी में आए हैं विदेशी शब्द कहलाते हैं। जैसे–अंग्रेजी–कार, स्कूल, टिकट आदि।

अरबी– इनाम, नजर, खबर आदि।

फारसी– कागज, मेज, दुकान आदि।

तुर्की– तोप, चाकू, चेचक आदि।

पुर्तगाली– संतरा, साबुन, कमरा आदि।

2. <u>**बनावट या रचना के आधार पर**–</u>

बनावट या रचना के आधार पर शब्द के तीन भेद है–

क. रूढ़– रूढ़ का अर्थ है, प्रसिद्ध। जो शब्द पंरपरा से ही किसी विशेष अर्थ के लिए प्रयुक्त होते है तथा इनके टुकड़े करने पर भी इनके खंडों से कोई अर्थ नहीं निकलता, उन्हें रूढ़ शब्द कहते है जैसे–पशु, घोड़, मोर, आदि।(इन शब्दों के खंडो प+शु, घो+ड़ा, मो+र, का अलग–अलग कोई अर्थ नहीं है।

ख. यौगिक शब्द– दो या दो से अधिक शब्दो या शब्दांशो के मेल(योग) से बने सार्थक शब्द यौगिक शब्द कहलाते हैं। जैसे– पुस्तक+आलय– पुस्तकालय
प्रधान+मंत्री– प्रधानमंत्री
व्यायाम+शाला– व्यायामशाला

ग. योगरूढ़ शब्द – दो या दो से अधिक शब्दों या शब्दांशों के मेल से बनने वाले ऐसे शब्द जो किसी विशेष अर्थ का बोध करवाते हैं योगरूढ़ कहलाते हैं जैसे– हिम + आलय–हिमालय, जल+ज– जलज,कमल के लिए प्रसिद्ध जल+ज का अर्थ है जो जल में उत्पन्न हुआ हो। जल में उत्पन्न होनी वाली अनके वस्तुएँ या जीव हो सकती है कीचड़ मछली आदि। पर जलज– कमल के लिए प्रसिद्ध हो गया है।

चारपाई–(चार+पाई) का अर्थ है जिसके चार पाए हैं। यहाँ पर कई वस्तुओं के चार पाए हो सकते हैं जैसे मेज, कुर्सी, स्टूल आदि, परंतु चारपाई– खाट के लिए प्रयुक्त किया जाता है।

3. <u>अर्थ **के आधार पर**</u>

अर्थ के आधार पर शब्दों को दो भागों में बाँटा गया है–

क. सार्थक शब्द– जो शब्द अर्थ बोधक होता हैं उन्हें सार्थंक शब्द कहा जाता हैं। जैसे– नदी, बच्चा आदि।

साधारण शब्दों में– ऐसा शब्द जिसका कोई न कोई अर्थ होता है सार्थक शब्द कहलाता है। सार्थक शब्दों को हम निम्नलिखित वर्गों में बाँट सकते हैं–

एकार्थी शब्द– जिन शब्झों का प्रयोग केवल एक ही अर्थ में किया जा सकता है, जैसे– पानी, घर, हवा

अनेकार्थी शब्द– जिन शब्दो के एक से अधिक अर्थ होते हैं उन्हे अनेकार्थी शब्द कहा जाता है जैसे विधि अनेकार्थी शब्द है। इसके कई अर्थ हैं– तरीका, कानून, भाग्य आदि।

विलोम शब्द– ऐसा शब्द जो एक दूसरे का उलटा अर्थ देता है विलोम शब्द कहलाते हैं जैसे–जीवन–मरण आदि।

पर्यायवाची शब्द– ऐसा शब्द जो लगभग एक जैसे अर्थ को प्रकट करते हैं पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहलाते है। जैसे– आँख– नयन, नेत्र आदि।

श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द– ऐसे शब्द जो सुनने में समान जैसे लगे, परंतु अर्थ की दृष्टि से भिन्न हो, उन्हें श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द कहते है जैसे– चर्म(चमड़ा) चरम(अतिंम)

वाक्यांशों के लिए एक शब्द– ऐसा शब्द जो वाक्यांशो के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं। वाक्यांशो के लिए एक शब्द कहे जाते हैं जैसे–जो दूर की सोचता हो– दूरदर्शी।

ख. निरर्थक शब्द– जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता, वे निरर्थक शब्द, कहलाते हैं जैसे– पानी–वानी, चाय–वाय।

यहाँ वानी और वाय निरर्थक शब्द है।

4.वाक्य में प्रयोग के आधार पर–

वाक्य में प्रयोग के आधार पर शब्दों के दो भेद हैं–

क. विकारी शब्द– जो शब्द भिन्न–भिन्न परिस्थितियों में अपना रूप बदल देती है, वे विकारी शब्द कहलाते हैं जैसे– लड़का–लड़के, मैं–मेरा, अच्छा–अच्छी आदि।

ख. अविकारी शब्द– जिन शब्दों में कभी परिवर्तन नहीं होता, उन्हे अविकारी शब्द कहते है, अविकारी शब्दों की संख्या चार है

कियाविशेषण–जैसे–वहाँ, इधर,धीरे–धीरे आदि।

संबंधबोधक–जैसे–के नीचे, के बाद, से पहले आदि।

समुच्चयबोधक–जैसे–और,किंतु,परतु आदि।

विस्मयादिबोधक–जैसे–वाह!, अरे!, ओह आदि।

गृह कार्य (अपनी कॉपी पर लिखें और याद करें।)

1.शब्द किसे कहते हैं?

2. शब्दों को कितने भागो में बाँटा गया है?

3. रचना के आधार पर शब्दों कितने प्रकार के होते है?

4. अर्थ_के आधार पर शब्दों कितने प्रकार के होते है?

अंतर स्पष्ट कीजिए–

1. तत्सम और तद्‌भव शब्द

2. विकारी और अविकारी शब्द

3.रूढ़ यौगिक और योगरूढ़ शब्द